RAJASTHAN

Police Headquarters, Jaipur, Rajasthan-303002
| Web : police.rajasthan.gov.in

राजस्थान पुलिस द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य

इस वैश्विक त्रासदी के बीच राजस्थान पुलिस आमजन के मध्य आशा की किरण के रूप में उभरी है। गरीब, असहाय, निराश्रित व पीड़ित व्यक्तियों को भोजन व दवाई वितरण, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन, सेनेटाईजेशन का कार्य, मास्क वितरण, मृतकों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में सहायता, जन जागरूकता, रक्तदान, जरूरतमंदों को चिकित्सकीय सहायता, श्रमिकों व प्रवासियों की सहायता आदि कार्यों के अतिरिक्त राजस्थान पुलिस द्वारा कोरोना महामारी के दौरान कुछ नवाचार भी किये गये हैं। राजस्थान पुलिस ने कोरोना महामारी को मानवता की सेवा के अवसर की भांति लिया और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक विश्वसनीय, परोपकारी व प्रतिबद्ध बल के रूप में जनसमुदाय के मध्य अपनी नव-छवि का निर्माण किया।

राजस्थान पुलिस द्वारा पुलिस मित्र, ई-पास व्यवस्था, फेसबुक लाईव सेशन, प्रवासी श्रमिकों द्वारा नवनिर्माण की पहल, गर्भवती महिलाओं की सहायता आदि कार्य किये गये। कोरोना जैसी भीषण त्रासदी के दौरान राजस्थान पुलिस द्वारा सफलतापूर्वक किये गये कार्यों पर तथ्यात्मक दृष्टि डाली जाये तो प्रदेश में राजस्थान पुलिस द्वारा 7,42,144 पैकेट रसद सामग्री वितरण, 4,79,8,415 पैकेट भोजन वितरण, 28,365 चप्पल वितरण, 46,782 व्यक्तियों को दवाई वितरण/ चिकित्सकीय सहायता, 2,63,944 पलायन करने वाले श्रमिकों के प्रवास की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त प्रदेश के पुलिसकर्मियों ने स्वयं के स्तर पर व भामाषाहों की सहायता से मास्क, सेनेटाईजर के अलावा पेयजल व्यवस्था, फल, चारपाई, चद्दरें, छाते आदि आवश्यक सामग्री का वितरण कर हर संभव असहाय व्यक्तियों की सहायता का प्रयास किया है।

लॉकडाउन अवधि के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा कच्ची बस्ती में भोजन वितरण

पुलिसकर्मियों द्वारा मास्क सिलाई का कार्य

पुलिस मित्र योजना:- राजस्थान पुलिस द्वारा पुलिस मित्र योजना का शुभारंभ किया गया। इस योजना के तहत् कोई भी भारतीय नागरिक जिसकी आयु 18 से 70 वर्ष के मध्य हो तथा जो आपराधिक एवं अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त ना हो, पुलिस मित्र बन सकता है। इस हेतु 24 श्रेणियां जैसे- अपराध नियंत्रण, जनजागरूकता, यातायात नियंत्रण, मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण, साम्प्रदायिक सद्भाव, रात्रि गश्त एवं महिला अधिकार जागरूकता आदि में से किन्हीं तीन गतिविधियों में रूचि रखने वाला नागरिक पुलिस मित्र के लिए आवेदन कर सकता है। वर्तमान में पुलिस मित्रों की संख्या प्रदेश में करीब 24,000 तक पहुँच गई है, जो कि यह इंगित करती है कि आम नागरिक पुलिस बल के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य करने में रूचि ले रहा है। महामारी के दौरान पुलिस मित्रों ने पुलिस बल के लिए आँख व कान का कार्य किया है। कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन अवधि में पुलिस मित्रों ने पुलिस बल के साथ मिलकर नाकाबंदी, रात्रि गश्त, जनजागरूता, सेनेटाईजेशन, सोशल डिस्टेंसिंग, गरीब, असहाय, निराश्रित व पीड़ित व्यक्तियों को भोजन व दवाईयों का वितरण, मास्क वितरण, मृतकों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में सहायता, रक्तदान, जरूरतमंदों की चिकित्सकीय सहायता, श्रमिकों व प्रवासियों की सहायता आदि कार्यों को बखूफी अंजाम दिया है

पुलिस मित्र सेनेटाईजेशन का कार्य करते हुए

ई-पास व्यवस्था:- राजस्थान पुलिस द्वारा **"राजकोप सिटीजन ऐप"** बनाया गया है जिसमें 1 अप्रेल, 2020 से "लॉकडाउन पास" का मॉड्यूल जोड़ा गया और ई-पास जारी किये गये। जैसे ही किसी नागरिक अथवा कम्पनी द्वारा ई-पास के लिए आवेदन किया जाता है तो उसके मोबाईल नम्बर को कम्पनी द्वारा सत्यापित कर उन्हे ई-मेल के द्वारा सूचित कर दिया जाता है कि उनका ई-पास स्वीकृत/ निरस्त अथवा अग्रेषित (कोई अन्य प्राधिकृत होने पर) कर दिया गया है। **"राजकोप सिटीजन ऐप"** को डाउनलॉड करने वालों की संख्या **8,75,000** हो गई है। इसी दौरान **17,17,000** आवेदन पत्र ई-पास के लिए प्राप्त हुए जिसमें से **7,23,000** ई-पास जारी किये गये। पास जारी करने की निस्तारण अवधि (स्वीकृत/ निरस्त) की दर **91.64 प्रतिशत** रही है। ई-पास आवेदन की प्रक्रिया को **ई-मित्र** से भी जोड़ा गया है ताकि एक राज्य से दूसरे राज्यों में पलायन करने वाले लोगों को ई-पास जारी हो सके।

Designed to Scale:

Application was designed in such a fashion that it could cater the need of very diverse and dynamic changes in the scenario where requirements were not frozen before the software development. It started to cater to individual, personal applications for emergency needs, later different categories of needs were added to individual categories and then companies were allowed to apply for their employees. Different categories were added and mapped with different authorities.

Churu Police

लाईव सेशन:- लॉकडाउन के दौरान आमजन अपने घरों से बेवजह बाहर नहीं निकलें एवं घर पर ही रहें, इसको सार्थक बनाने के लिए चुरू पुलिस द्वारा एक अनूठा नवाचार कर सोशल मीडिया के माध्यम से शाम 5 बजे से शाम 7 बजे तक लाईव सेशन आयोजित किया गया

ताकि घर बैठे ही लोगों को मनोरंजन एवं मॉटीवेशन मिल सके। इसके लिए फिल्म जगत, खेल जगत, प्रशासनिक अधिकारी, मॉटीवेशनल स्पीकर व कला जगत से जुड़ी हुई हस्तियों ने भाग लिया। इस लाईव सेशन की शुरूआत होने पर 6,000 लोगों द्वारा इसे पसन्द किया गया। वर्तमान में लगभग 29,000 लोग चुरू पुलिस की इस सार्थक पहल को पसन्द कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में जिला पुलिस द्वारा करवाई जा रही "ऑनलाईन लॉकडाउन प्रतियोगिता" में भी लोगों का काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। आमजन की रूचि के विषय यथा एक्टिंग, डांसिंग, सिंगिंग, पेंटिंग, कविता, निबन्ध, रंगोली एवं मेहन्दी आदि 17 प्रकार की श्रेणी के विषयों पर यह प्रतियोगिता करवाई जा रही है। लाईव सेशन में महानिदेशक पुलिस, राजस्थान, जयपुर एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एसओजी, राजस्थान, जयपुर एवं रेंज महानिरीक्षक पुलिस भी जनता से रूबरू हुए और उनके प्रश्नों का उत्तर दिया।

प्रवासी श्रमिकों की सहायता व उनके द्वारा नवनिर्माण की पहल:- कोरोना महामारी इस वातावरण में भी पुलिसकर्मी चट्टान की भांति अटल व अडिग होकर चुनौतीपूर्ण ड्यूटी पर डटे हुए हैं ताकि कोई भी व्यक्ति संक्रमित ना हो। पुलिसकर्मियों की कर्मठता व श्रमिकों की जीजिविषा व नवनिर्माण की ऐसी ही दास्तां सीकर जिले के रानोली में देखने को मिली।

यह दास्तां 26 मार्च, 2020 को रानोली, जिला सीकर से शुरू होती है जहाँ पुलिस बल द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर पैदल यात्रा कर रहे श्रमिकों को रोका गया। ये श्रमिक हरियाणा राज्य के रहने वाले थे जो दैनिक मजदूरी के लिए सीकर में विभिन्न जगहों पर काम करते थे। कोरोना काल मे लॉकडाउन अवधि में काम ना मिलने के कारण श्रमिक पलायन कर रहे थे, परन्तु इनकी मंजिल अत्यन्त दूर होने के कारण रास्ते में इनके संक्रमण की प्रबल संभावना थी। श्रमिकों की ऐसी विवशता को भापंते हुए स्थानीय पुलिस बल द्वारा इनके भोजन व आवास की व्यवस्था की गई। पुलिस बल, जनप्रतिनिधि, भामाशाह व ग्रामवासियों के द्वारा की गई उत्तम व्यवस्थाओं से अभिभूत होकर इन श्रमिकों ने 9 वर्ष से रंगरोगन के अभाव में बदरंग व बेहाल हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पलसाना की रंगाई पुताई का कार्य करके काया ही पलट दी। साथ ही भवन में खाली पड़ी जगहों पर फलदार व छायादार वृक्षों का रोपण किया। इस प्रकार पलायन केन्द्र में ठहरे मजदूरों की इस अनूठी पहल से सभी प्रभावित हुए। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मेहनतकश श्रमिकों का यह रचनात्मक कार्य माननीय **प्रधानमंत्री महोदय** के **"मन की बात"** कार्यक्रम से लेकर **प्रिन्ट एवं सोशल मीडिया** पर भी छाया रहा।

इसी प्रकार की एक अन्य दास्तां सीकर जिले की ही है। सीकर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भदालान की ढ़ाणी, रानोली में स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामवासियों व पुलिस ने प्रवासी श्रमिकों के रहने तथा स्वास्थ्य की जाँच का जिम्मा ले रखा था। प्रवासी मजदूरों ने पहल कर उक्त स्कूल में रसोई नहीं होने पर श्रम कर वहां रसोई का निर्माण किया, ग्रामजनों ने श्रमदान कर सहयोग किया तथा स्थानीय पुलिस द्वारा भी आर्थिक सहयोग प्रदान कर निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई गई जो की एक अनूठी पहल सिद्ध हुई।

उदयपुर

गर्भवती महिलाओं की सहायता-

लॉकडाउन अवधि में गर्भवती महिलाओं की सहायता हेतु 'हेलो मम्मी' व्हाट्स ऐप ग्रुपः-

लॉकडाउन अवधि के दौरान उदयपुर पुलिस की महिला अधिकारियों द्वारा गर्भवती महिलाओं की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनकी हरसंभव सहायता हेतु एक नई पहल की है। जिसका नाम है **'हैलो मम्मी'** व्हाट्स ऐप ग्रुप। **'हैलो मम्मी'** व्हाट्स ऐप ग्रुप अल्पावधि मे ही करीब 225 महिलाऐं जुड़ चुकी हैं। इस ग्रुप के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान चिकित्सकीय या अन्य कोई सहायता की आवश्यकता होने पर वे सीधे ही पुलिस को अवगत करा सकती हैं ।

जयपुर पुलिस

कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में कोविड-19 से ग्रसित व्यक्तियों के संबंध में सर्वे के दौरान निर्भया स्क्वायड को कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में निवासरत महिलाओं द्वारा अवगत कराया गया कि कर्फ्यू के दौरान गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में समय-समय पर चैक कराने हेतु लाने व ले जाने के दौरान काफी परेशानी होती है ऐसे में निर्भया स्क्वायड के द्वारा गर्भवती महिलाओं की इन समस्यों को दूर करने के लिए कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में स्थित पीएचसी/सीएचसी, आशा सहयोगिनी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से गर्भवती महिलाओं की सूची प्राप्त की गई एवं उस सूची के आधार पर कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में गर्भवती महिलाओं का सर्वे करवाया। सर्वे के दौरान **2720 गर्भवती महिलाओं** से व्यक्तिगत सम्पर्क करके उन्हें बताया गया कि विशेष परिस्थिति आने पर वे नजदीकी अस्पताल में जाने के लिए मेडीकल दस्तावेज साथ लेकर जायें, ताकि पुलिस द्वारा

चैकिंग के दौरान किसी गर्भवती महिला को अनावश्यक विलम्ब व परेशानी ना हो। पुलिस मित्रों की सहायता से वाहन उपलब्ध कराकर गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया एवं विपरीत परिस्थितियों में बच्चे को जन्म देने के पश्चात् महिलाओं की हौसला अफजाई के लिए उन्हें व उनके बच्चे को कपड़े इत्यादि भी पुलिस द्वारा भेंट किये गये। इसके अलावा महिलाओं को 20,000 सेनेट्री नैपकीन, मास्क, सेनेटाईजर उपलब्ध कराये गये।

टीम-09:-जयपुर पुलिस आयुक्तालय द्वारा कोरोना महामारी को मात देने के लिए टीम-9 का गठन किया गया जिसमें जयपुर पुलिस आयुक्तालय के 9 पुलिसकर्मियों द्वारा उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश आदि राज्यों में मेडिकल टीमों के साथ हुई घटनाओं को मध्यनजर रखते हुये शान्ति व्यवस्था बनाये रखने एवं कर्फ्यू की सफलता के लिये तथा मेडिकल टीमों के सहयोग के लिये जयपुर आयुक्तालय में टीम-9 का गठन किया गया। टीम-9 द्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की सर्वे टीमों की सुरक्षा के साथ-साथ लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक किया गया और उनको विश्वास में लेकर मेडिकल टीमों का सहयोग करने, जाँच के लिये सैम्पल देने एवं अस्पताल/क्वारन्टाईन सेन्टरों में जाने के लिये तैयार करने तथा विभिन्न प्रकार के जन सरोकार के सामाजिक एवं मानवीय कार्यों में अपनी भागीदारी निभाई।

टीम-9 द्वारा कोरोना पोजिटिव व्यक्तियों की तादात् वाले इलाकों को चिन्हित किया गया। उस इलाके से लोग दूसरे इलाके में जाकर अन्य व्यक्तियों को संक्रमित न कर सकें, इस बाबत् आमजन को कर्फ्यू की महत्ता समझाई गई। लोग मेडिकल टीम को कोरोना की जॉच हेतु सैम्पल नही दे रहे थे, जिनको टीम-9 द्वारा समझाया गया और टीम के सदस्यों ने स्वयं लोगो के सामने 2-2 बार कोरोना की जांच हेतु सैम्पल दिये। टीम-9 ने मेडिकल कैम्प लगाकर लोगों को स्वयं के वाहनों द्वारा घरों से लाकर उनकी मेडीकल टीम से सैम्पलिंग करवाई। इससे लोगों में फैली अफवाहें दूर हुई व उन्होंने बिना डर के मेडिकल टीमों को सैम्पल दिये। कोरोना संक्रमित व्यक्तियों के ठीक होने पर टीम-9 द्वारा उनसे सम्पर्क कर प्लाज़्मा डोनेट करने के बारे में जागरूक किया।

इस प्रकार राजस्थान पुलिस ने जनसामान्य के हृदय में एक विशेष, सम्मानजनक स्थान बनाने में सफलता हासिल की है ओर अपनी सकारात्मक छवि के निर्माण में सफल सिद्ध हुई है।